NO NPS/UPS

"शैक्षिक जनांदोलन"

ONLY OPS

ALL INDIA NPS EMPLOYEES FEDERATION

NATIONAL MISSION FOR OLD PENSION SCHEME (Hind)

Uttar Pradesh

(Mission OPS India, Reg. 6107894-L1NSPS-1-8803-5083-2)

CEHQ: 555/6 C Mansarover Park Shahdara, Delhi-32 Email: ainpsef@gmail.com

Dr. Manjeet Singh Patel	Ankur Tripathi Vimukt	Neearj Patel	Tarun Bhola	Shreyash Chandra Saxena	Pradeep Singh Saral
National President	State President	State General Secretary	State In-Charge	State Treasurer	State Coordinator
9899353538	9455250058	9305146410	9286526273	8604780742	9336138631

State Organization Secretary
Amit Pandey

Deputy General Secretary
Shivam Sharma

Senior Vice President
Uma Shankar

Vice President
Aditya Singh
Arun Yadav
Nirmesh Pandey
Chandra Shekhar
Neeru Singh (Head Women Wing)

State joint Secretary
Amit Bhatnagar
Amit Bajpai
Umesh Shrivastav

State Advisor
Ankit Agrawal

State Spoke Person
Vimal Chandra Mishra

State Media Incharge
Vikash Chandra Shrama
Miraz Ahmad

State Social Media Incharge
Hemant Kumar Saxena

State IT Cell. Incharge
Ramendra Dwivedi
Vivek Kumar Singh

State Executive Committee Member
Mrityunjay Tripathi 'Malang'
Dhananjay Singh

Lr.No.AINPSEF U.P./July/2025/SEC-27 **Date: 10.07.2025**

प्रेषक:

अंकुर त्रिपाठी 'विमुक्त'
राष्ट्रीय प्रवक्ता / प्रदेश अध्यक्ष उ. प्र.
ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (AINPSEF)
संपर्क: 09260985026/09455250058

प्रति,

सेवा में,

सम्पादक महोदय,
दैनिक जागरण
झाँसी संस्करण

विषय: शिक्षकों के प्रति अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणी हेतु आपत्ति

महोदय,

सविनय निवेदन है कि दिनांक 10 जुलाई 2025 को आपके झाँसी संस्करण में **"जागरण एक्सक्लूसिव"** के अंतर्गत प्रकाशित एक आलेख **"काश! सबको मिल जाए ऐसी नौकरी"** में शिक्षकों के संबंध में अत्यंत ही असंवेदनशील, अपमानजनक और तुच्छ भाषा का प्रयोग किया गया है।

उक्त आलेख में एक शिक्षक की नियुक्ति को लगभग **"कुछ नहीं करने वाली"**, **"बैठने-आने-जाने"** तक सीमित बताया गया है, जो न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि देश के शिक्षकों के मान-सम्मान, कर्तव्यपरायणता एवं योगदान को ठेस पहुँचाने वाला है।

आपकी इस प्रस्तुति से यह प्रतीत होता है कि मानो शिक्षक वर्ग केवल वेतन प्राप्त करने के लिए विद्यालय आता है, जबकि सच्चाई यह है कि देश के कोटि-कोटि शिक्षक सीमित संसाधनों में भी बच्चों का भविष्य संवारने में दिन-रात जुटे रहते हैं। इस तरह की भ्रामक एवं अपमानजनक रिपोर्टिंग से समाज में शिक्षकों की छवि धूमिल होती है और शिक्षा प्रणाली में अविश्वास उत्पन्न होता है।

NO NPS/UPS | "शैक्षिक जनांदोलन" | ONLY OPS

ALL INDIA NPS EMPLOYEES FEDERATION

NATIONAL MISSION FOR OLD PENSION SCHEME (Hind)

Uttar Pradesh

(Mission OPS India, Reg. 6107894-L1NSPS-1-8803-5083-2)

CEHQ: 555/6 C Mansarover Park Shahdara, Delhi-32 Email: ainpsef@gmail.com

Dr. Manjeet Singh Patel	Ankur Tripathi Vimukt	Neearj Patel	Tarun Bhola	Shreyash Chandra Saxena	Pradeep Singh Saral
National President	State President	State General Secretary	State In-Charge	State Treasurer	State Coordinator
9899353538	9455250058	9305146410	9286526273	8604780742	9336138631

State Organization Secretary
Amit Pandey

Deputy General Secretary
Shivam Sharma

Senior Vice President
Uma Shankar

Vice President
Aditya Singh
Arun Yadav
Nirmesh Pandey
Chandra Shekhar
Neeru Singh (Head Women Wing)

State joint Secretary
Amit Bhatnagar
Amit Bajpai
Umesh Shrivastav

State Advisor
Ankit Agrawal

State Spoke Person
Vimal Chandra Mishra

State Media Incharge
Vikash Chandra Shrama
Miraz Ahmad

State Social Media Incharge
Hemant Kumar Saxena

State IT Cell. Incharge
Ramendra Dwivedi
Vivek Kumar Singh

State Executive Committee Member
Mrityunjay Tripathi 'Malang'
Dhananjay Singh

Lr.No.AINPSEF U.P./July/2025/SEC-27 — Date: 10.07.2025

मैं, अंकुर त्रिपाठी 'विमुक्त', राष्ट्रीय प्रवक्ता, ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (AINPSEF), इस खबर पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराता हूँ और आपसे आग्रह करता हूँ कि –

1. इस रिपोर्ट हेतु सार्वजनिक खंडन (public apology) एवं माफी प्रकाशित की जाए।
2. संबंधित रिपोर्टर/डेस्क के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए।
3. भविष्य में इस प्रकार की अमर्यादित एवं गैर-जिम्मेदार पत्रकारिता से परहेज़ किया जाए।

यदि उपरोक्त बिंदुओं पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया, तो हमारा संगठन विधिक विकल्पों सहित जन-आंदोलन की ओर भी अग्रसर होगा।

आशा है कि **"दैनिक जागरण"** जैसा प्रतिष्ठित समाचार पत्र जनभावनाओं एवं शिक्षा जगत के सम्मान की रक्षा करेगा।

सधन्यवाद,

भवदीय

(अंकुर त्रिपाठी 'विमुक्त')
राष्ट्रीय प्रवक्ता/प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश
ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (AINPSEF)

काश! सबको मिल जाए ऐसी नौकरी

पद	शिक्षक
वेतन	लगभग डेढ़ लाख रुपये।
पदस्थापना	बेसिक प्राइमरी पाठशाला।
छात्रांकन	शून्य (कम होने के कारण पेयरिंग में दूसरे विद्यालय में स्थानान्तरित)।
कार्य	कुछ नहीं, आओ, बैठो और जाओ।

जागरण एक्सक्लूसिव

- बच्चों के बिना स्कूल मे बैठकर ड्यूटी निभा रहे है मास्साब
- शासन की अस्पष्ट नीति के कारण होना पड़ रहा है दो-चार

काश! सबको मिल जाए ऐसी नौकरी

पद	शिक्षक
वेतन	लगभग डेढ लाख रुपये।
पदस्थापना	बेसिक प्राइमरी पाठशाला।
छात्रांकन	शून्य। (कम होने के कारण पेयरिंग मे दूसरे विद्यालय मे स्थानान्तरित)।
कार्य	कुछ नही, आओ, बैठो और जाओ।

कब कितने मर्ज हुये स्कूल

तारीख	विद्यालय
25 जून	33
26 जून	2
28 जून	6
3 जुलाई	4
कुल	42

एक नजर

जिले मे कुल स्कूल	1437
एक ही परिसर मे मर्ज हुये	42
एक से दूसरे स्कूल मे पेयर हुये	88
बच्चे पहुँचे दूसरे स्कूल मे	लगभग 2500
खाली हुये स्कूलों मे बचे शिक्षक	लगभग 175

पेयरिंग : बच्चों की हुई, शिक्षकों की नहीं

झाँसी : इस समय बेसिक शिक्षा विभाग मे मर्जर और पेयरिंग को लेकर खूब हंगामा मचा हुआ है। शिक्षक, ग्राम प्रधान और तमाम संगठन इसके विरोध मे चल रहे है। हालांकि कोर्ट ने शासन की इस नीति का समर्थन करते हुए ग्रीन सिग्नल दे दिया है। शासन से मिले निर्देश के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 130 विद्यालयो को मर्ज अथवा पेयर कर दिया है। मर्ज तो एक ही परिसर मे था, लेकिन पेंच पेयरिंग मे फँस गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 88 विद्यालयो के बच्चो को पास के ही दूसरे विद्यालय मे पेयर कर दिया, लेकिन शिक्षको के सम्बन्ध मे कोई आदेश जारी नही हुआ। इसका नतीजा यह रहा कि टीचर अभी भी उसी स्कूल मे तैनात है। बिना बच्चो के स्कूल मे तैनात 175 से अधिक शिक्षक स्कूल आते है और बैठकर चले जाते है। इस विषम स्थिति मे जब बीते दिनो हुई उच्चाधिकारियो की बैठक मे यह मुद्दा उठाया गया तो कहा गया कि अभी इनसे 5 वर्ष के बच्चो का नामांकन करा लिया जाए। पेयरिंग के बाद जब पदो की स्थिति बनेगी, उस हिसाब से समायोजित कर दिया जायेगा। यहाँ यह महत्वपूर्ण है कि जो कार्य डेढ लाख रुपये मासिक वेतन वाले शिक्षक से कराया जा रहा है, वह कार्य आँगनबाड़ी अथवा शिक्षा मित्र से भी कराया जा सकता है।

भवन उपयोग की बनाई गई नीति

शासन की 'पेयरिंग नीति' के तहत जिन स्कूल भवनो को बन्द किया जाएगा, उन्हे फेकने या बेकार छोड़ने के बजाय 'बाल वाटिका' के रूप मे पुनः विकसित किया जाएगा। इन बाल वाटिकाओं मे 3 से 6 वर्ष तक की उम्र के बच्चो के लिए पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का संचालन किया जाएगा। इससे इन भवनो का पुनः उपयोग सुनिश्चित होगा और बच्चो को शुरुआती उम्र मे ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव मिलेगी।

कागज मे विलय, पोर्टल पर नही

मर्ज अथवा पेयर किये जा रहे विद्यालयो को लेकर भले ही तूफान मचा हो, लेकिन अन्दरखाने की हालत अलग ही है। कागजो मे भले ही अब तक बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जिले के 130 विद्यालयो को मर्ज अथवा पेयर कर दिया हो, लेकिन मानव सम्पदा पोर्टल पर स्कूल अलग ही नजर आ रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनो शासन के आदेश पर प्रत्येक विद्यालय को एक यू डॉयस नम्बर दिया गया था। इसी के साथ प्रत्येक शिक्षक को यूनिक नम्बर दिया गया था। मानव सम्पदा पोर्टल पर यू डॉयस नम्बर फीड है और इसी मे तैनात शिक्षक का नम्बर होता है। इसी को आधार बनाते हुये प्रधानाध्यापक माह की 20-25 तारीख तक उपस्थिति अंकित करते है और इसे आधार बनाकर वित्ताधिकारी वेतन बनाकर कोषागार भेज देते है। अब समस्या यह है कि न तो स्कूल का यू डॉयस नम्बर बन्द किया गया और न ही उसे दूसरे स्थान पर मर्ज किया गया है। यहाँ यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बच्चे जब स्कूल मे नही है, तो वेतन कैसे और किस आधार पर दिया जाए?

180 एजुकेटर्स हो रहे भर्ती

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनइपी-2020 के तहत प्रारम्भिक बाल्यकाल शिक्षा (इसीसीइ) को विशेष महत्व दिया गया है। इसी के तहत जिले मे 180 एजुकेटर्स की भर्ती की जा रही है। नए शिक्षको को इन बाल वाटिकाओं मे तैनात किया जाएगा। बच्चो को चाइल्ड फ्रेण्डली फर्नीचर, रंग-बिरंगे कक्ष, आउटडोर खेल सामग्री, और आयु अनुसार गतिविधियों वाली कार्य-पुस्तिकाएं दी जाएगी। इन प्रयासो से बाल वाटिकाएं एक समृद्ध शिक्षण केन्द्र के रूप मे विकसित होगी।